Issue : VIII, Vol. I
VRJFHLL
IMPACT FACTOR 2. 72
ISSN 2347- 5285
Dec. 2016 To May 2017 41

7

धीरेन्द्र अस्थाना के कथा साहित्य में महानगरीय जीवन

अरुण नागोराव मुंडे
हिंदी विभाग,
कै. सौ. शेषाबाई मुंडे कला महाविद्यालय,
गंगाखेड, जि. परभणी (महाराष्ट्र) भारत

डॉ. आर. ए. चौहान
विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग,
बलभीममहाविद्यालय,
बीड, जि. बीड (महाराष्ट्र) भारत

Research Paper - Hindi

महानगर व्याख्या-

'महानगर' शब्द अंग्रेजी के 'मेट्रोपोलिस' का पर्यायवाची है। 'मेट्रोपोलिटीन' शब्द की उत्पत्ती ग्रीक साहित्य मे मेट्रोपोलिस शब्द से हुई है। ग्रीक साहित्य में इन शब्द का अर्थ है 'मातृनगर।' भारत में चार शहरो को महानगर का दर्जा दिया गया। यथा- दिल्ली, मुंबई कलकत्ता, मद्रास। आज महानगर एक ऐसी भागदौड का पर्याय बन जाता है जहाँ कल- कारखाने तीन- तीन शिफ्ट में चौबीसों घंटे गडगडाते है। मर्करी और नियॉन बतियाँ राम को दनि में तबदील किये रखती है। शटल गाडीयों और बसों में लाखों आदमी इधर से उधर और उधर से इधर चक्कर काटते हुए पडौसियों तक को पहचानता नही। ऐलेक्जेंडर क्लायन ने न्युर्याक में निवास करणे का वास्तविक और एक मात्र लाभ यह है की मृत्यू होने पर यहाँ के निवासी तुरन्त ही सीधे स्वर्ग जायेंगे, क्योंकी उनके भाग्य मे जितने दिन नरक की आग में बिताने को लिखे थे, वे उन्होने इस महानगर में अपनी जिंदगी मे ही बिता लिये।

महानगर के दो परिदृश्य

महानगर में हमें दो दृश्य दिखाई देते है। एक तरफ उँची- उँची अट्टलिकाएँ हैं तो दुसरी तरफ झोपडपट्टी। महानगर की 70 से 80 प्रतिशत जनता ऐसी ही झोपडपट्टी में रहती है। कुछ लोगों को तो झोपडपट्टी भी नसीब नही होती, वे फुटपाथ पर सोते है। बच्चो का खेलने के लिए कोई स्थान नही है और न लोगों की चलने के लिए अच्छी सडके। हर जगह सडकें खुदी हुई है। महानगर में

Scanned by CamScanner